विश्व शांति का एक नारा।
यज्ञ से होगा
जग उजियारा।।

ऋग्वेद

यजुर्वेद

प्रतिभा संवर्धन

पञ्चतत्व की शुद्धि

बुद्धि का तीव्र विकास

उत्तम कृषि का आधार

हानिकारक रेडियेशन से बचाता है

संस्कारों की पुनर्स्थापना

समग्र स्वास्थ्य

जलवायु परिवर्तन, ग्लोबलवार्मिंग का समाधान

सूर्य रशमियों को शोधित करता है

वैचारिक उत्कृष्टता

उत्तम एवं चमत्कारिक चिकित्सा पद्धति

सूक्ष्म ऊर्जा संवर्धन

वर्षा जल की शुद्धि एवं भूगर्भ जल की वृद्धि

आंतरिक उल्लास में वृद्धि

सामवेद

अथर्ववेद

तं लोकं पुण्यं प्रज्ञेषं यत्र देवाः सहाग्निना।

वह देश पुण्यवान है जहाँ विद्वान जन अग्निहोत्र करते हैं।